BHAVAN'S V M PUBLIC SCHOOL,VADODARA
SAMPLE PAPER-2
हिन्दी
X

SESSION 2017-18

Time Allotted: 3 Max Marks:80

खण्ड–क

प्र.न.–1 नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

समाचार–पत्र देश की हर भाषा में,देश के प्रायः हर बड़े शहर से, अनेक छोटे शहरों एवं कस्बों से भी प्रकाशित होकर स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर क्या कुछ घटित हो रहा है, यह सब जानने की हमारी भूख और जिज्ञासा को शांत करते हैं। घर बैठे–बिठाए ही हम इन्हें पढ़कर जान लेते हैं कि राजनीतिक,धार्मिक,सामाजिक,आर्थिक,सांस्कृतिक और वैज्ञानिक स्तर पर कहाँ क्या नया घटित हुआ। उससे व्यक्ति या सामूहिक स्तर पर,प्रांत और राष्ट्रीय स्तर पर हमें क्या लाभ–हानि पहुँच सकती है या पहुँचाई जा रही है, देश–विदेश में कहाँ अच्छा–बुरा क्या घट रहा है,स्थानीय स्तर पर कहाँ क्या कुछ नया होने जा रहा है,यहाँ तक कि भजन–कीर्तन,धार्मिक–प्रवचन,सामाजिक एवं राजनीतिक समारोहों तक की सूचना समाचार–पत्रों द्वारा हम तक पहुँच जाती है।

समाचार–पत्रों में छपने वाले संपादकीय आलेख, समस्याओं पर अन्य विशेषज्ञों के विश्लेषण,विवेचनात्मक आलेख आदि छपकर हमारी भावनाओं का प्रतिनिधित्व तो किया ही करते हैं,अनेक प्रकार की हमारी आशंकाओं का समाधान भी कर दिया करते हैं। हमें व्यक्ति के स्तर से उठकर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाकर विश्व–मानवता को एक बना देते हैं। अच्छे समाचार–पत्रों का मुख्य कार्य भी यही सब करना–कराना और मात्र इतना ही हुआ करता है। समाचार–पत्रों में समाचारों के अतिरिक्त एक वैचारिक प्रक्रिया भी चलती है। इसे दो प्रकार से समाचार–पत्रों में देखा जाता है। पहले प्रकार के समाचारों के साथ–साथ संपादक अपने विचार भी प्रस्तुत कर देता है। इसका दूसरा रूप किसी विषय को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएँ भी छापी जाती है। इससे पाठकों की रुचि और ज्ञान में विकास की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।

क–समाचार–पत्रों की क्या भूमिका है ? 2

ख–जनता को घर पर बैठे–बिठाए किन–किन क्षेत्रों की जानकारी मिल जाती है ? 2

ग–'सामाजिक' एवं 'मानवता' में प्रयुक्त मूल शब्द तथा प्रत्यय छाँटिए। 2

घ–समाचार में छपने वाले संपादकीय से हमें क्या मिलता है ? 2

ड़–समाचार–पत्र किस प्रकार विश्व मानवता को एक बना देते हैं ? 1

प्र.न.–2 नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

स्वागत !सूरदास के गृह में,सूरश्याम के आँगन में,
ब्रज–कोकिल कवि सत्यनारायन की कुटिया के प्राँगण में,
स्वागत !नूरजहाँ की सुंदरता से सिंचित नगरी में,
स्वागत !जहाँगीर के प्राणों से अभिसिंचित नगरी में,
ताजमहल की मीनारें ये हाथ उठा स्वागत करतीं,
पद पखारने को आगत के यमुना अंजलियाँ भरती,
स्वागत !भारत के अतीत–गौरव के अचल निकेतन में,
स्वागत ! सूरदास के गृह में,सूरश्याम के आँगन में,
शत–शत शिल्पी निशिदिन पलकों पर ले–ले मादक सपने,
उठा तूलिका यहीं कर गए अमर काव्य चित्रित अपने,
विश्व–नयन विस्मित,आह्लादित,देख मनोरम ताजमहल,
रसिक उरों में राज कर रहा खड़ा प्रेम का राजमहल,
अकबर के वैभव–प्रदीप थे कभी यहीं पर छवि भरते,
कितने ही लोचन के शतदल रूपराशि–जल पर तरते,
वे दिन रहे,न अब वे रातें, जब सौरभ सिंचित करते,
पथ पर कंकण–किंकिणि के स्वर पथ की श्रांति–क्लांति हरते,
स्वागत ! सूरदास के गृह में,स्वागत है हृदयासन में,
स्वागत ! सूरदास के गृह में, सूरदास के आँगन में,
आज आम्र–कानन में कोयल रह–रह कैसी बोल रहीं ?
तन–मन में जीवन–प्राणों में फिर–फिर नवमधु घोल रहीं,
वंदनवार बँधी है पथ में, मृदुल मंजरित अमराई,
आज आगरा धन्य, देख आए गृह में कितने भाई,
स्वागत ! आगत ! अमृत–प्रदाता मृतकों के मृतजीवन में,
स्वागत ! सूरदास के गृह में, सूरश्याम के आँगन में,

1–ताजमहल की मीनारें तथा यमुना आगत का स्वागत कैसे करती हैं ?''पथ'' शब्द के दो पर्यायवाची लिखो। 3

2–आम्र–कानन में कोयल की बोली कैसी लगती है ?काव्यांश का

उचित शीर्षक भी लिखिए– 3

खण्ड–ख

प्र.न.–3''शब्द''की पद कब बनता है? उदाहरण सहित लिखो– 2

प्र.न.–4निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण कीजिए– 3

1–बस अड्डे पर रूकी और सवारियाँ चढ़ गई। (सरल वाक्य)

2–प्रधानाचार्य जी के आते ही प्रार्थना शुरू हो गई।(संयुक्त वाक्य)

3–बारिस होते ही बच्चे नहाने लगे। (मिश्र वाक्य)

प्र.न.–5क–समस्त–पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए–2

कृष्णसर्प, आजन्म,

ख–समस्त–पद बनाकर समास का नाम लिखिए– 2

1–दही में डूबा बड़ा, 2–क्रम के अनुसार,

प्र.न.–6 नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके लिखो– 4

1–चोर को रस्सी पर बाँध कर ले गए।

2–आप क्या आज का समाचार सुने हैं।

3–इसे चाकू से काटकर फल खिलाओ।

4–इसे उबालकर काढ़ा पिलाओ।

प्र.न.–7दिए गए मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग करो कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। 2

1–कमर टूटना, 2–नाच न जाने आँगन टेढ़ा,

खण्ड–ग

प्र.न.–8अपनी पाठ्य पुस्तक के पठित पाठों के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो–

1–एक सच्चे कलाकार का क्या कर्तव्य है? 2

2–शाहेरूम की क्या दशा हुई और क्यों? 2

3–बड़े भाई ने छोटे भाई की सफलता पर क्या टिप्पणी की? 1

प्र.न.–9 'बड़े भाई साहब' पाठ में बड़े भाई साहब के लिए अनुभव, पुस्तकीय ज्ञान से क्या अधिक महत्वपूर्ण लगा और क्यों ? 5

अथवा

गाँधी जी ''प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट'' थे। तर्कसहित उत्तर दीजिए।

प्र.न.–10 अपनी पाठ्य पुस्तक के काव्यखंड के पठित पाठों के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो–

1–'आत्मत्राण' कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है ? 2

2–मनुष्य को क्या नहीं करना चाहिए और क्यों ? 2

3–मनुष्य कौन होता है ? 1

प्र.न.–11 कबीर के विचार से निंदक को निकट रखने से क्या लाभ है ?कबीर की भाषा पर टिप्पणी लिखिए। 5

अथवा

''कर चले हम फ़िदा''गीत से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

प्र.न.–12 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर पी.टी.साहब के चरित्र की विशेषताएँ लिखो– 5

अथवा

'हरिहर काका' कहानी में लेखक ने किन–किन मुद्दों को उठाने का प्रयास किया है ?

खण्ड घ

प्र.न.–13 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखो– 5

1–मेरी काल्पनिक अंतरिक्ष यात्रा–

(अंतरिक्ष यात्रा का स्वप्न, घर से विदा, हवा का दबाव, स्वयं को विशेष महसूस करना।)

2-कंप्यूटर का बढ़ता प्रयोग–

(कंप्यूटर का युग,दैनिक जीवन में प्रयोग,सर्जरी में प्रयोग,कंप्यूटर के विभिन्न क्षेत्र)

3-आलस किया सफलता गई–

(आलस क्या है ?आलस की बुराइयाँ,सफलता के लिए क्या करें)

प्र.न.–14 समाचार–पत्र के संपादक को भारत–अमरीका परमाणु समझौते के विषय में विचार प्रकट करते हुए एक पत्र लिखिए– 5

प्र.न.–15 आपके विद्यालय में 'होली मिलन समारोह' आयोजन हो रहा है। आप विद्यालय के कल्चरल हेड की ओर से एक सूचना लिखो। 5

प्र.न.–16 छोटे भाई को नकल करने के दुर्गुण को त्यागने की सलाह देते हुए बातचीत को संवाद के रूप में लिखो– 5

प्र.न.–17 आपके शहर में कवि सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। उसकी सफलता के एक प्रभावशाली विज्ञापन बनाइए। 5

–––प्रेम प्रकाश शर्मा